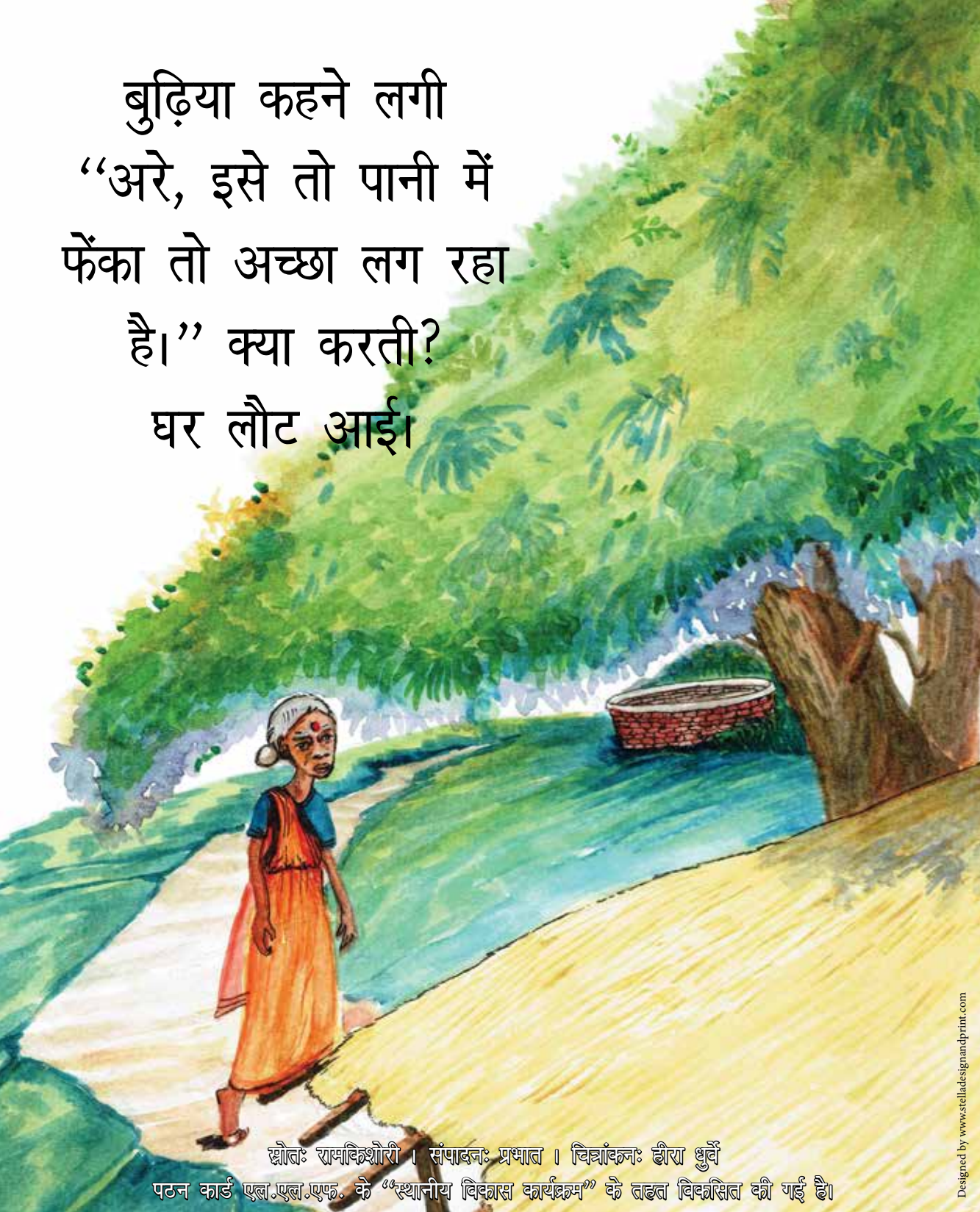


बुढ़िया कहने लगी
“अरे, इसे तो पानी में
फेंका तो अच्छा लग रहा
है।” क्या करती?
घर लौट आई।

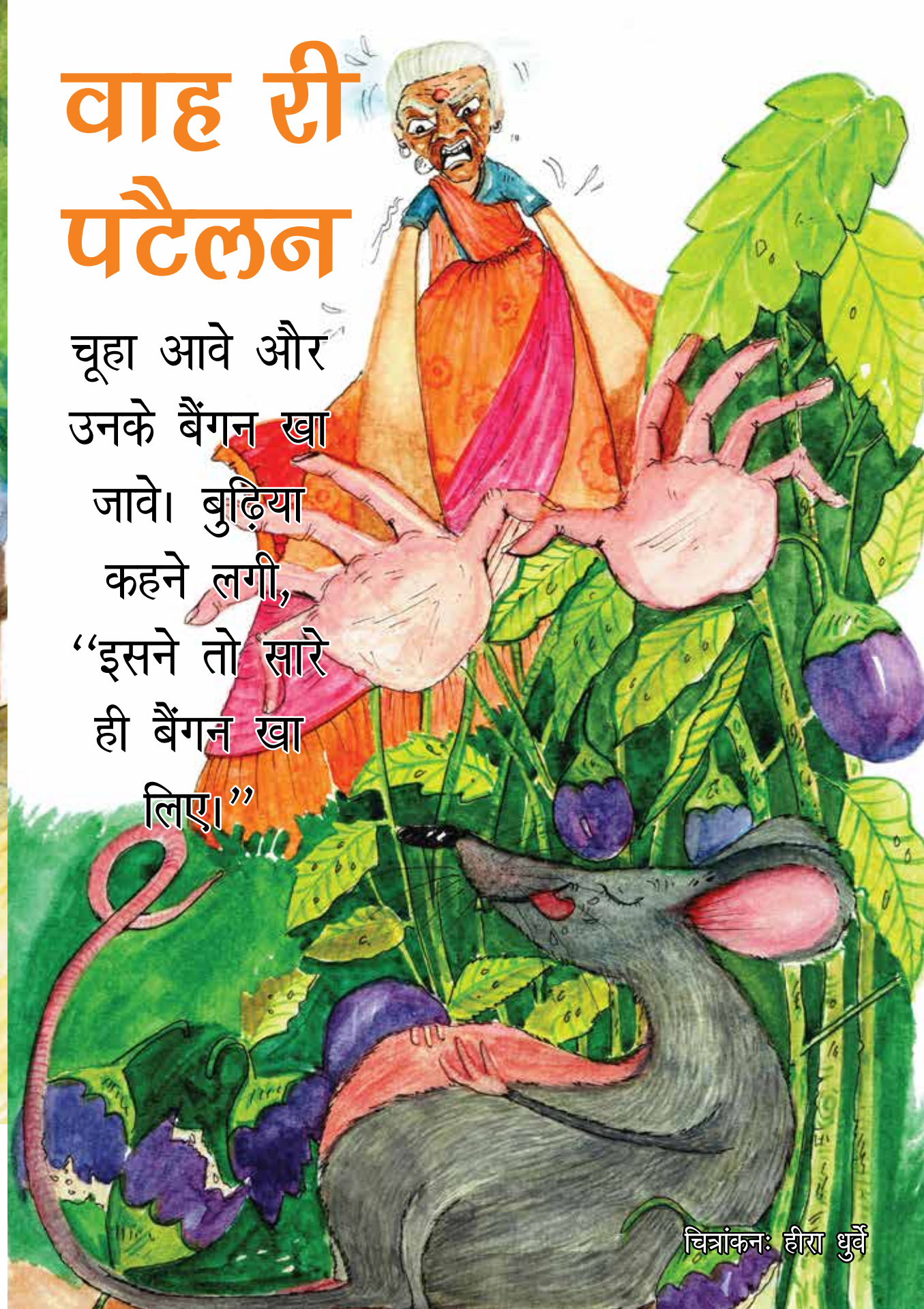


स्रोत: रामविशोरी । संपादन: प्रभात । चित्रांकन: हीरा धुर्वे
पठन कार्ड एल.एल.एफ. के “स्थानीय विकास कार्यक्रम” के तहत विकसित की गई है।

Designed by www.stelladesignandprint.com

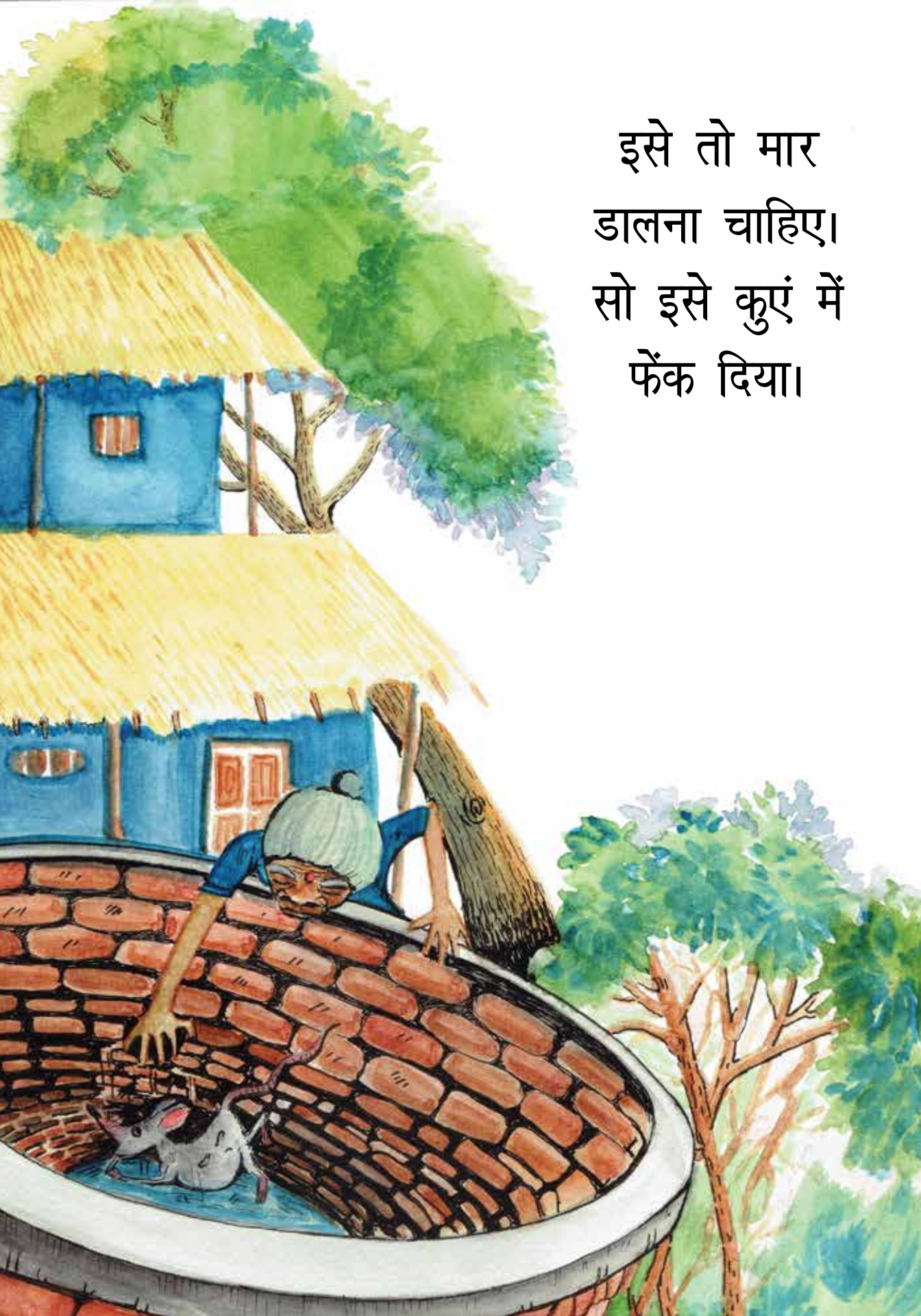
वाह री पटैलन

चूहा आवे और
उनके बैंगन खा
जावे। बुढ़िया
कहने लगी,
“इसने तो सारे
ही बैंगन खा
लिए।”



चित्रांकन: हीरा धुर्वे

इसे तो मार
डालना चाहिए।
सो इसे कुएं में
फेंक दिया।



चूहा कुएं में से बोला-
“वाह री पटैलन खूब नहलाया
वाह री पटैलन खूब नहलाया।”

